मायने

पल दिन महीने साल
क्या यही जिंदगी के मायने है?

हर साल निकल कर चला जाता है जिंदगी से,
क्या उम्र बढना ही बड़प्पन के पैमाने है?

गलतियाँ, अनुभव, सुख–दुःख, कर्तव्य, अधिकार,
क्या ये जिंदगी के आधार है? या है संपत्ति अपार ??

रिश्ते,भावनाएँ, प्यार, दोस्ती, क्या जगह है जिंदगी में इनकी?

कभी सोचती हुं मै ये बातें, तो करती हूँ खुद से वादा,
कोशिश करुँगी जीवन के हर पहलु को जान सकुं जीना।

निभा सकूं हर कर्तव्य
इंसान होने के,
यही तो कारण है
यहां जनम लेने के।

रेनु पाठक
पुस्तकालय सहायक